श्री उपसभापति : माननीय सदस्यगण, "All matters not specifically provided for in these rules and all questions relating to the detailed working of these rules shall be regulated in such manner as the Chairman may from time to time direct". *...(Interruptions)...*माननीय एल.ओ.पी., प्लीज़। माननीय एल.ओ.पी. को मैंने सुबह बोलने का मौका दिया, पुनः माननीय एल.ओ.पी. रूल क्वोट करने के लिए खड़े हुए तो मैंने उन्हें बोलने का मौका दिया। माननीय सदस्यगण, अब आप मुझे यह बतायें, जिस रूल का इन्होंने उल्लेख किया, उस रूल में कहा जा रहा है कि ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAGHAV CHADHA: Sir, I am also raising a point of order. *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति : चेयरमैन की जो डायरेक्शन है, मैंने उसी के तहत आपको रूल 267 में स्पष्ट किया कि नोटिस नहीं है।...(**व्यवधान**)... रूल्स के तहत आज का जो बिज़नेस है, मैं उसी के तहत जाऊंगा। कोई व्यक्ति अगर बिज़नेस को चेंज करना चाहे तो उसकी एक प्रक्रिया है।...(**व्यवधान**)... मैं अपेक्षा करता हूं कि आप उस प्रक्रिया का पालन करें।...(**व्यवधान**)... उस प्रक्रिया के तहत, उन रूल्स के तहत आप नोटिसेज़ दें और उन पर बहस की मांग करें।...(**व्यवधान**)...श्री बाबू राम निषाद जी।

Need to remove silt in the mainstream of the Ganga, Yamuna and Ghagra rivers in Uttar Pradesh

श्री बाबू राम निषाद (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसलिए मैं एक महत्वपूर्ण विषय पर उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश और सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : माननीय श्री बाबू राम निषाद जी की बात के अलावा और कोई बात रिकॉर्ड पर नहीं जाएगी।...(**व्यवधान**)...

श्री बाबू राम निषाद : महोदय, कालांतर में घटता हुआ भूगर्भ जलस्तर, दूषित, सिमटती और विषैली होती नदियां, सिकुड़ते ग्लेशियर राष्ट्रीय चिंतन के विषय हैं। ...(**व्यवधान**)... आज तक देश की किसी भी नदी में डीसिल्टिंग का काम नहीं किया गया है।...(**व्यवधान**)... पहले देश की नदियां अविरल बहती थीं और बहती हुई नदियों में खुद को साफ रखने और गहराई बनाए रखने की क्षमता होती थी। समय बदला और नदियां भौतिक समृद्धि का शिकार हुईं।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : माननीय सदस्यगण, कृपया ज़ीरो ऑवर चलने दें। माननीय श्री बाबू राम निषाद की बात के अलावा कोई और बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है। ...(**व्यवधान**)...

श्री बाबू राम निषाद : पहाड़ों में बड़ी मात्रा में हाइड्रो पावर प्लांट बनाए गये तो मैदानी भागों में सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर बांध बना दिये गये, जिससे नदियों का अविरल बहाव रुक गया।...(**व्यवधान**)... नदियां रुकीं तो मानो पूरी पारिस्थितिकी ही रुक गई और नदियों में सिल्ट जमा होने लगी।...(**व्यवधान**)... सिल्ट जमा हो जाने का सबसे बड़ा उदाहरण गंगा नदी पर बना फरक्का बैराज है, जिसके कारण पहले सिल्ट के ढेर बने और फिर वे पर्वताकार पहाड़ के रूप में परिवर्तित हो गए, जिससे गंगा नदी का पानी फैल कर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिमी बंगाल की भूमि को निगलता जा रहा है ...(**व्यवधान**)...और वर्तमान में राजमहल से लेकर मालदा तक का बड़ा क्षेत्र आज विश्व के सबसे बड़े कटान क्षेत्र में सम्मिलित हो गया है।...(**व्यवधान**)... बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, बदायूं, फर्रुखाबाद, कानपुर, फतेहपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, कौशांबी, प्रयागराज से लेकर गाजीपुर, बलिया तक सैकड़ों गांव आज कटान के दंश को झेल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : प्लीज़ बैठ जाइये, ज़ीरो ऑवर चलने दीजिए।...(**व्यवधान**)...

श्री बाबू राम निषाद : इसी तरह घाघरा नदी में भी अनेकों गांव व शहर कटान के कारण उजड़ते जा रहे हैं।...(**व्यवधान**)... सच्चाई तो यह है कि मनुष्य जहां-जहां भी अपनी भोगवादी जीवनशैली का हस्तक्षेप करता रहा है, वहां-वहां विष बीज का वमन होता जा रहा है।...(**व्यवधान**)... हम आप प्रत्यक्षदर्शी हैं कि प्रकृति समय-समय पर भूकम्प, भूस्खलन, घटते भूगर्भ जलस्तर, ओज़ोन परत क्षरण, सूखा, बाढ़ इत्यादि के रूप में मनुष्य की क्रूरता का शिकार हुई है।...(**व्यवधान**)... समग्र राष्ट्र बूंद-बूंद जल संकट से जूझ रहा है। एक तरफ नदियों से सिल्ट की सफाई न होने के कारण अधिकांश नदियां लुप्तप्राय होती जा रही हैं...(**व्यवधान**)... तो दूसरी तरफ सिल्ट जमा होने की वजह से नदियों के माध्यम से जिस पानी को भूगर्भ के जलस्तर को बनाए रखना चाहिए था, वह नहीं हो पा रहा है, जिससे पीने के पानी व सिंचाई की भयंकर समस्या खड़ी हो गई है।...(**व्यवधान**)... नदियों में जल की सर्व उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए कुछ प्रमुख बातों को हम ध्यान में रखकर जल व नदियों को बचा सकते हैं।...(**व्यवधान**)... जैसे हम समय-समय पर देश-प्रदेश की नदियों से रेत (सिल्ट) को हटाते रहें, जिससे नदियाँ अपने मुख्य स्वरूप में बनी रहें। ...(**व्यवधान**)... ...(**समय की घंटी**)...

श्री उपसभापति : आपका समय समाप्त हो गया है। ...(**व्यवधान**)...

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member. ...*(Interruptions)*...

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member. ...*(Interruptions)*...

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member. ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : श्रीमती महुआ माजी। ...(**व्यवधान**)...

Financial difficulties being faced by Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi, Jharkhand

श्रीमती महुआ माजी (झारखंड) : माननीय उपसभापति महोदय, आज कई दिनों के प्रयास के बाद मुझे यह अवसर दिया गया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)... मैं हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, राँची, जिसकी स्थापना 1958 में हुई थी, जो झारखंड का एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान है, उसके बारे में कहना चाहती हूँ कि आज उसकी स्थिति बहुत ही बुरी हो गई है। ...(**व्यवधान**)... वह बहुत ही जर्जर स्थिति में है। ...(**व्यवधान**)... वहाँ के जो एम्प्लॉइज़ हैं, जो ठेकेदार हैं, जो श्रमिक हैं, उनको पिछले 12 महीने से सैलेरी नहीं मिली है। ...(**व्यवधान**)... उनके परिवार भुखमरी की कगार पर खड़े हैं। ...(**व्यवधान**)... वह इतना प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान है, ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप अपने माननीय सदस्यों को बैठाइए, मैं आपको मौका देता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती महुआ माजी : उसने मदर इंडस्ट्री के रूप में अपनी पहचान बनाई है। ...(**व्यवधान**)... एचईसी ने मदर इंडस्ट्री के रूप में अपनी पहचान बनाई है। ...(**व्यवधान**)...

PROF. MANOJ KUMAR JHA (Bihar): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.